महाप्रबंधक के नए-नए कारनामे के बाद भी प्रशासन व जनप्रतिनिधि मौन

विपक्ष की क्या है मजबूरी

अब सेवा सहकारी समिति कातलबोड़ी में नियमों की अनदेखी, प्रबंधक पर परिजनों को लाभ पहुंचाने का मामला

सिवनी नवभारत। जैसा कि नवभारत समाचार पत्र लगातार जिला सहकारी बैंक में हुई भ्रष्टाचार से संबंधित और भी अन्य मामलों को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों सहित विपक्ष को ध्यान आकर्षित करते हुए निष्पक्षता से खबर प्रकाशित कर रहा है इसके बाद भी विपक्ष की क्या मजबूरी है कि अभी तक इस गंभीर मामले में खामोश नजर आ रहा है वहीं केंद्र और राज्य सरकार मैं भाजपा की सरकार है और वर्तमान में सिवनी जिला में भी दो विधायक भाजपा के हैं और दो सांसद होने के बाद भी अभी तक इस मामले में इनका खामोश रहना भी कहीं ना कहीं महाप्रबंधक केके सोनी की राजनीति पकड़ से प्रशासन भी अब कार्रवाई करने से डर रहा है जिसका उदाहरण एक बार फिर एक नहीं दो दो मामले भी सामने आए हैं जहां एक ओर सिवनी जिले की सेवा सहकारी समिति कातलबोड़ी एक बार फिर चर्चाओं में आ गई है। समिति के प्रबंधक सुरेश सनोडिया पर अपने ही परिवार के सदस्यों को समिति में रखने के आरोप लग रहे हैं, जिससे क्षेत्र में सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों और समिति से जुड़े लोगों के बीच यह मामला जनचर्चा का विषय बना हुआ है। और जानकारी के अनुसार प्रबंधक सुरेश सनोडिया ने अपने बेटे अभिषेक सनोडिया को समिति में कार्यरत रखा है। वहीं आरोप यह भी है कि उनके भतीजे राहुल सनोडिया को भी समिति में जिम्मेदारी दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नियुक्तियां नियमों के विपरीत हैं और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती हैं। जो इस समय पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि समिति में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह प्रबंधक के इशारों पर चल रही है। लोगों का आरोप है कि प्रशासक की भूमिका केवल औपचारिक होकर रह गई है और समिति में वही निर्णय लागू होते हैं जो प्रबंधक द्वारा तय किए जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सहकारी समितियों में पारिवारिक प्रभाव और मनमानी इसी तरह जारी रही तो आम किसानों का

भरोसा व्यवस्था से उठ सकता है। किसानों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि समिति में नियुक्तियां किन नियमों के तहत की गईं।

इस मामले में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के महाप्रबंधक के.के. सोनी की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि उच्च स्तर से संरक्षण मिलने के कारण ही समिति में लंबे समय से मनमानी चल रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इधर गेहूं खरीदी केंद्रों में बड़ा खेल! पोर्टल में हजारों क्विंटल दर्ज, लेकिन जमीन पर नहीं दिख रहा गेहूं?

जिले के विभिन्न गेहूं खरीदी केंद्रों में खरीदी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पोर्टल में दर्ज गेहूं की मात्रा और केंद्रों में

वास्तविक रूप से उपलब्ध गेहूं के बीच भारी अंतर सामने आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। आरोप है कि पोर्टल में जितना गेहूं चढ़ाया गया है, उतना गेहूं कई खरीदी केंद्रों में जमीन पर मौजूद नहीं है।और सूत्रों के अनुसार व्यापारी और कुछ जिम्मेदार कर्मचारियों की मिलीभगत से पोर्टल में अतिरिक्त गेहूं दर्ज किए जाने का मामला सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि घाट और लेन-देन के खेल के चलते वास्तविक मात्रा से अधिक गेहूं ऑनलाइन दर्ज किया गया, जिससे शासन को करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। तो सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं तो जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के महाप्रबंधक के.के. सोनी आखिर मौके पर पहुंचकर जांच करने से क्यों बच रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की निष्क्रियता से पूरे मामले पर संदेह और गहरा गया है। किसानों और आम नागरिकों का कहना है कि यदि खरीदी केंद्रों में पोर्टल के अनुसार गेहूं उपलब्ध नहीं है तो यह सीधे तौर पर बड़ी जिसके कारण भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। दिखाई दे रहा है और खरीदी केंद्रों में कई स्थानों पर स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक भंडारण में भी अंतर बताए जाने की चर्चा है। इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की कठोर कार्रवाई नहीं होना विभागीय कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा है। किसानों का आरोप है कि छोटे किसानों के नाम पर खरीदी दिखाकर व्यापारियों को लाभ पहुंचाया गया और पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। और किसान परेशान हो रहे हैं जिससे किसानों में भारी आक्रोश दिखाई दे रहा है जिले में यह भी चर्चा है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पोर्टल में दर्ज मात्रा और वास्तविक स्टॉक का बड़ा अंतर सामने आ सकता है। ऐसे में जिला प्रशासन और शासन स्तर से उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है। किसान ने मांग की है कि खरीदी केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और खरीदी प्रभारीयो सहित संबंधित व्यापारियों की मिली भगत से पोर्टल में दर्ज गेहूं की मात्रा पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

सहकारिता कार्यवाई समिति के कर्मचारियो को थमाया सेवा मुक्ति आदेश

वही नए-नए कारनामे के बाद बरघाट विकास खंड के अन्तर्गत आने वाली सहकारी समिति लालपुर मे एक बडी कार्यवाई सामने आई है जिसमे सहकारी समिति के पूर्व समिति प्रबंधक एवं एक अन्य कर्मचारी को प्रशासक के द्वारा सेवा मुक्ति आदेश थमाया गया है जिससे सहकारी समितियो मे हडकंप की स्थिति निर्मित हो गई है और इस कार्यवाई को जिले की सबसे बडी कार्यवाई के रूप मे देखा जा रहा है तथा जिन्हे यह सेवा मुक्त आदेश थमाया गया है यह दोनो कर्मचारी पूर्व से ही निलंबित थे और इसके बाद भी फिर क्यो थमाया सेवा मुक्त आदेश प्राप्त जानकारी के अनुसार सहकारी समिति लालपुर मे उपायुक्त सहकारिता के आदेश पर गठित जांच दल के द्वारा धान उपार्जन से सम्बंधित पहलुओ पर जांच की गई थी और जांच प्रति वेदन उपायुक्त सहकारिता सिवनी को सौपा गया था एवं जांच प्रति वेदन के आधार पर संयुक्त रूप से दोनो कर्मचारियो पर 5559401 पचपन लाख उसंठ हजार चार सौ एक रूपये की वसूली कार्यवाई प्रस्तावित की गई थी और यह वसूली धान उपार्जन कार्य के लिये समिति को प्राप्त खाली बारदानो से जुडी हुई है जिसमे समिति को प्राप्त नये एवं पुराने बारदानो की वसूली के अलग अलग उल्लेख किया गया है सेवा मुक्त आदेश मे वर्णित के आधार पर पूर्व समिति प्रबंधक पर बारदानो की कुल वसूली राशि जांच प्रतिवेदन के आधार पर 3238218 बत्तीस लाख अड़तीस हजार दो सौ अठारह रूपये निर्धारित की गई थी जिसमे से 255559 दो लाख पचपन हजार पांच सौ उसंठ रूपये की राशि वेतन से वसूल करने के उपरांत शेष राशि 2982659 उन्नतीस हजार बयासी हजार आठ सौ उसंठ रूपये वसूली निर्धारित की गई थी तथा समिति के ही अन्य कर्मचारी पर 2321183 तथा 29 गठान नये बारदाने की वसूली राशि 1319500 एवं 10 गठान पुराने बारदाने की राशि 45500 सहित कुल राशि 4095683 चालीस लाख पंचानंबे छै सौ तिरासी रूपये जांच प्रति वेदन के आधार पर वसूली निरधारित की गई थी और कुछ राशि वेतन से भी वसूली करने के उपरांत 3694055 की वसूली की कार्रवाई प्रस्तावित थी संयुक्त पंजीयक जबलपुर के मौखिक निर्देश एवं बैठक कार्यवाई दिनांक 20/04/2026 के अनुसार दोनो कर्मचारियो के द्वारा की गई अनियमितता तथा वसूली की राशि जमा न करने के कारण प्रशासक के द्वारा 20 म ई 2026 को दोनो सहकारी समिति के कर्मचारियो की सेवा समाप्त कर दी गई है साथ ही वसूली की राशि जमा न करने पर वैधानिक कानूनी कार्रवाई एवं भू राजस्व की भांति चल अचल सम्पति या अन्य माध्यमो से वसूली की प्रक्रिया अपनाये जाने का भी फरमान जारी किया गया है वैसे प्रशासक की जिले मे यह कार्रवाई जरूर समितियो मे हडकंप पैदा कर रही किन्तु यह प्रश्न भी उठने लगे है की बारदानो की वसूली मे जब इनके द्वारा इतना बडा कदम उठाते हुऐ कर्मचारियो को सेवा मुक्त का फरमान जारी कर दिया गया वही बरघाट विकास खंड मे अनेको समितियो की जांच लम्बित है तथा धान के शार्टेज और वसूली के मामले मे अनेको समितिया ब्लेक लिस्टेड हो चुकी है धान शार्टेज जैसे मामलो मे समितियो को लाखो की छति हुई है तथा धान खरीदी से प्राप्त होने वाली कमीशन की राशि भी समितियो के खाते मे नही पहूची किन्तु यह कार्रवाई भी सिर्फ जांच मे जाकर सिमट गई ऐसी स्थिति मे प्रशासक डी के डहेरिया का यह कदम सहकारिता के लिये नया आगाज है अथवा यह कार्यवाई कागजो तक सिमटने वाली है अथवा अन्य सहकारी समिति जहा आज भी धान शार्टेज की राशि लाखो मे है वसूली और कार्यवाई इसी तरह अनवरत जारी रहेगी यह तो आने वाला समय ही निरधारित करेगा समिति की जांच उपायुक्त सहकारिता कार्यालय के साथ साथ महा प्रबंधक के निर्देश पर बैक शाखा धारनाकला के द्वारा भी की गई थी किन्तु उपायुक्त कार्यालय के जाच प्रतिवेदन पर यह कार्यवाई सामने आई है किन्तु महा प्रबंधक के निर्देश पर हुई जांच के आधार पर अब तक कार्यवाई क्यो नही हुई यह बात भी समझ से परे है।

एक नजर में

मुबीन कुरैशी बने नगर कांग्रेस के प्रवक्ता

सिवनी नवभारत। शहर के युवा मुबीन कुरैशी को नगर कांग्रेस कमेटी का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। मुबीन को प्रवक्ता जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर समूचे शहर में हर्ष व्याप्त है। बता दें कि मुबीन कुरैशी वरिष्ठ पत्रकार हसीब कुरैशी के छोटे भाई है। इस उपलब्धि पर शाहिद राजू खान, हफीज खान, आजम खान, सद्दाम खान, इमरान, इरफान, आसिफ खान, सहित समस्त मित्रमंडली ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बैनगंगा नदी तट पर मनमाने तरीके से की जा रही थी खुदाई

छपारा। नगर से होकर बहने वाली सिवनी जिले की जीवन रेखा बैनगंगा नदी के छपारा नगर परिषद क्षेत्र में जमा सिल्ट या गाद निकालने के लिए लंबे समय से लोग मांग कर रहे थे, जिससे किसानों को यह उपजाऊ मिट्टी सहित नदी गहरी करण होने से जल संरक्षण की दिशा में एक शानदार पहल है, जिसको लेकर सिंचाई विभाग द्वारा नगर परिषद छपारा को बकायदा अनुमति प्रदान की गई है जो स्थानीय सहित आसपास के किसानों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं हैं। विदित हो कि नदी की जल भराव क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशासन ने लंबे समय बाद जमा गाद (सिल्ट) को हटाने की अधिकारिक अनुमति प्रदान कर दी है। यह अनुमति कार्यालय कार्यपालन यंत्री, तिलवारा बायी तट नहर संभाग, केवलारी द्वारा जारी की गई है। जानकारी के अनुसार,बैनगंगा नदी में बांध बन जाने के बाद छपारा क्षेत्र के करबला घाट, प्राचीन सिद्ध बाबा घाट से लेकर ब्रिटिश कालीन पुल तक वर्षों से मिट्टी और गाद के जमा होने के कारण जल संग्रहण क्षमता लगातार घटती जा रही थी। इसके परिणामस्वरूप गर्मी के मौसम में छपारा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। पिछले वर्ष में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप से सामने आई थी। वही नगर परिषद की सार्थक पहल से गाद हटाए जाने के बाद नदी की जल भराव क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे छपारा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था अधिक मजबूत होने की उम्मीद है। इससे आने वाले समय में स्थानीय नागरिकों को जल संकट से बड़ी राहत मिल सकती है। वहीं नगर परिषद के इस निर्णय से क्षेत्र के किसानों और कुम्भकार समुदाय को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। किसान इस उपजाऊ गाद का उपयोग अपने खेतों में कर सकेंगे, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी।

झांसा देकर हड़प ली जमीन, पीड़ित ने लगाई सुनवाई में गुहार

सिवनी नवभारत। मंगलवार को एक शख्स ने कलेक्टर से मिलकर गुहार लगाई कि उसकी जमीन पर किसी ने छल पूर्वक कब्जा कर लिया है। जिसे मुक्त कराया जाए। प्रभारी कलेक्टर ने इस मामले में अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं।

क्या है मामला

लखनादौन क्षेत्र के धूमा थाना क्षेत्र के घूरवाड़ा के रहने वाले शिवकुमार पिता गणेश कुमार कहार (55) ने कलेक्टर को सौंपे अपने ज्ञापन में बताया है कि हाइवे पर लगभग एक एकड़ जमीन है जिसका बाजार मूल्य फिलहाल साठ लाख रुपए है। वह अशिक्षित है और जबलपुर में लेबर के रूप में बीएसएनएल में कार्यरत था। इसी

दौरान उसकी मुलाकात पुलिस विभाग में कार्यरत देवेंद्र कुमार उपाध्याय से हुई। परिचय बढ़ने पर उसका आना जाना घूरवाड़ा होने लगा। उपाध्याय ने उसकी जमीन देखी और लालच दिया कि इस स्थान पर पोल्ट्री फार्म खोलना फायदे का सौदा रहेगा। जिसके लिए 20 लाख रुपए का लोन मिल सकेगा। इसके लिए शुरुआत में चार लाख रुपए जमा करने होंगे। शिवकुमार उसकी बातों में आ गया और उसने अपने खाते से उपाध्याय के खाते में एक लाख 85 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जमीन मोडगेज कराने की बात कह उपाध्याय उसे रजिस्ट्रार आफिस ले गया।

देता रहा गोलमोल जवाब

आरोप है कि इसके बाद देवेंद्र उपाध्याय पोल्ट्री फार्म खोलने को लेकर गोलमोल जवाब देता रहा। ऐसा करते करते पांच साल निकल गए। जब शिवकुमार ने अपने पैसे वापस मांगे तो देवेंद्र ने उसे खेत में न जाने की चेतावनी दी। जब शिवकुमार ने पटवारी से पता किया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उपाध्याय ने 2021 में ही जमीन अपने नाम करा ली थी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को भी आवेदन दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब शिवकुमार अपने पैसों और जमीन को वापस पाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। कलेक्टर ने इस मामले में अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाया गया ईद उल अजहा बक़रीद का त्यौहार

पुलिस थाना छपारा में शांति समिति की बैठक हुई आयोजित पहुंचे पुलिस कप्तान

छपारा। 28 मई दिन गुरुवार को ईद उल अजहा बक़रीद का त्यौहार शांति सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाया गया सुबह 9 बजे नगर सहित क्षेत्रीय ग्रामों में की मस्जिदों में नमाज अता की गई एवं एक दूसरे को गले लगा कर ईद उल अजहा बक़रीद त्यौहार की बधाइयां दी गई वहीं एक दिन पूर्व 27 मई को देर शाम नगर के पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सिवनी पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, उप पुलिस अधीक्षक राजेश मिश्रा, एसडीओपी पुलिस लखनादौन अपूर्व भलावी, तहसीलदार छपारा सौरभ मरावी, नगर परिषद छपारा सीएमओ गीता बाल्मिक नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती निशा पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और शांति समिति के सदस्यों सहित धार्मिक गुरुओं की उपस्थिति में बैठक कर शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार को मनाने को लेकर सहमति बनी वहीं दूसरी ओर नगर में आए दिन ट्राफिक जैम की परेशानियों को उपस्थित जनों ने पुलिस एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखा वहीं उक्त समस्या के जल्द से जल्द हल करने को लेकर आस्वस्त किया गया। वहीं पुलिस थाना छपारा पहुंचे अतिरिक्त पुलिस बल ने रात्रि लगभग साढ़े नौ बजे नगर में पैदल फ्लेग मार्च भी किया।

कृषि विभाग के एक फैसले से 15-20 गांवों के किसान परेशान, कोहका स्थित कृषि केंद्र 15 दिनों से बंद

सरकारी केंद्रों में सर्वर डाउन, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रही खाद

सिवनी नवभारत। कोहका - पीपरडाही सहित आसपास के 15 से 20 गांवों के सैकड़ों किसान इन दिनों खाद के लिए परेशान हो रहे हैं। किसानों का आरोप है कि कृषि विभाग के एक फैसले के कारण कोहका स्थित पंजीकृत निजी कृषि केंद्र पिछले लगभग 15 दिनों से बंद पड़ा हुआ है, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार कोहका गांव में शासन से पंजीकृत आदर्श ऑर्गेनिक कृषि केंद्र संचालित होता है, जहां से आसपास के किसान आसानी से खाद एवं कृषि सामग्री प्राप्त कर लेते थे। लेकिन कृषि विभाग द्वारा केंद्र को सील किए जाने के बाद अब किसानों को खाद के लिए सिवनी एवं अन्य सरकारी केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार एक दिन कृषि केंद्र संचालक किसी आवश्यक कार्य से बाहर गए हुए थे। संचालक द्वारा पंजीकृत किसानों को पहले ही सूचना दे दी गई थी कि आवश्यक कार्य के कारण दुकान उस दिन बंद रहेगी। इसी दौरान किसी किसान द्वारा कृषि विभाग कार्यालय में फोन कर दुकान बंद होने की सूचना दे दी गई।

इसके बाद विभागीय टीम मौके पर पहुंची और बंद दुकान को बिना किसी पूर्व नोटिस के सील कर चली गई। कृषि केंद्र संचालक ने बाद में विभाग से कई बार केंद्र का ताला खोलने का निवेदन किया और आवश्यक कार्य से बाहर जाने की बात स्वीकार करते हुए अपनी गलती भी मानी, लेकिन इसके बावजूद अब तक केंद्र नहीं खोला गया। किसानों का कहना है कि पहले जहां गांव के पास ही आसानी से खाद मिल जाती थी, अब उन्हें खाद लेने के लिए सिवनी या अन्य केंद्रों में पूरा दिन खराब करना पड़ रहा है। ग्राम निवासी किसान आशा दुबे ने बताया कि कृषि केंद्र बंद होने के कारण उन्हें खाद के लिए सिवनी स्थित वेयरहाउस में पंजीयन कराना पड़ा। वहां सुबह से पहुंचने के बाद

शाम 5 बजे तक नंबर का इंतजार करना पड़ा, लेकिन समय समाप्त होने के कारण खाद नहीं मिल सकी।

इसके बाद दोबारा पंजीयन कर अगले दिन फिर लाइन में लगना पड़ा, लेकिन उस दिन भी सर्वर डाउन होने के कारण सुबह से शाम तक इंतजार करने के बाद जवाब मिला कि अब 24 तारीख के बाद आकर खाद के संबंध में जानकारी लेना। किसानों का कहना है कि इस प्रकार उन्हें दो-दो और तीन-तीन दिन तक सरकारी केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, इसके बावजूद खाद नहीं मिल पा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकारी केंद्रों में सर्वर डाउन, लंबी लाइन और अन्य व्यवस्थागत समस्याओं के कारण किसान पहले से परेशान हैं, तब निजी कृषि केंद्र को लंबे समय तक बंद रखना समझ से परे है।

लोगों का सवाल है कि क्या कृषि विभाग किसानों की समस्या हल करने के बजाय केवल कार्रवाई दिखाने में लगा हुआ है? किसानों का कहना है कि विभाग को निजी केंद्रों को बंद करने की बजाय ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि विभाग यदि इतनी ही सक्रियता किसानों को राहत देने, सर्वर व्यवस्था सुधारने और समय पर खाद उपलब्ध कराने में दिखाए तो किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

किसानों ने मांग की है कि जल्द से जल्द बंद पड़े कोहका स्थित कृषि केंद्र को पुन: शुरू कराया जाए ताकि क्षेत्र के किसानों को राहत मिल सके और उन्हें खाद के लिए भटकना न पड़े।

विरोध | पीजी कॉलेज में पकड़ाया फर्जी परीक्षार्थी, सिवनी की सड़कों पर सिवनी कांग्रेस कमेटी, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस करेगी आंदोलन

शिक्षा घोटाले के खिलाफ छात्र आंदोलन होगा तेज़, 15 दिन का अल्टीमेटम

सिवनी नवभारत। जो लोग इस मुगालते में हैं कि मुझे और मेरे साथियों को गिरफ्तार करवाकर, झूठे मामले कायम कर हमारी आवाज़ को दबा देंगे, उन्हें मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि उनकी इन गीदड़ भभकियों से न हम डरे हैं और न डरेंगे। बल्कि अब छात्रों के भविष्य और अधिकारों की यह लड़ाई पहले से भी अधिक तेज़ और व्यापक रूप से लड़ी जाएगी।

आज भारतीय जनता पार्टी का अहंकार इस चरम पर पहुँच चुका है कि अपने चहेते लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए गरीब और मेहनती छात्रों के भविष्य से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण प्रधानमंत्री कॉलेज सिवनी में सामने आया कथित मुन्ना भाई फर्जीवाड़ा है, जिसने पूरे शिक्षा तंत्र को शर्मसार कर दिया है।

सरकार के दबाव में कॉलेज

प्राचार्य ने महाविद्यालय की गरिमा और अस्मिता को तार-तार करने का कार्य किया है। इस पूरे फर्जीवाड़े में केवल छात्र ही नहीं, बल्कि कॉलेज प्राचार्य, परीक्षा नियंत्रक, परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मचारी और सत्ता से जुड़े जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी संदिग्ध है। यदि इस मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो महाविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, छात्रों के भविष्य के साथ हो रही गंभीर लापरवाही और कई बड़े नाम बेनकाब होंगे।

जब मैं अपने साथियों के साथ लगभग 30 घंटे तक थाने में था, तब मेरी सबसे बड़ी ताकत और हिम्मत छात्रों का वह विश्वास था जो वे मुझ पर करते हैं। उसी विश्वास के बल पर मैं इस अहंकारी सरकार के खिलाफ छात्र अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा हूँ और आगे भी लड़ता रहूँगा।

एनएसयूआई अध्यक्ष धनंजय ने कहा कि वे अपने कांग्रेस परिवार के उन सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हमारे थाने में रहने के दौरान बाहर लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखा। विशेष रूप से जिला अध्यक्ष नरेश मरावी, मोहन सिंह चंदेल , राजा बघेल , तनवीर अहमद , हनीफ़ खान, सुरेंद्र करोशिया ,रंजित यादव, यशपाल भलावी , राजिक अकील, राजा खान मुबीन , शिव सनोदिया , युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य मोंटू भूरा , नितिन डेहरिया, अंशुल अवस्थी ,शक्ति जडेजा , विपिन यादव , ऋषभ ठाकुर, अदनान खान,उवेश खान, आबिद हुसैन सहित उन सभी साथियों का धन्यवाद, जिनके नाम अनजाने में छूट गए है उन्हें भी हृदय की गहराई से धन्यवाद।

साथ ही सिवनी ज़िले एवं प्रदेश के उन सभी पत्रकार बंधुओं को भी हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने इस तानाशाह भाजपा सरकार के दबाव में ना आकर निर्भीकतापूर्वक सच्चाई को अपने समाचार पत्र और न्यूज़ चैनल में प्रमुखता से दिखाया।

मैं इंजी.धनंजय सिंह आप सभी को विश्वास दिलाता हूँ कि इस लड़ाई में मैं हमेशा प्रथम पंक्ति में खड़ा रहूँगा और छात्र हितों की रक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करता रहूँगा।

यदि आगामी 15 दिनों के भीतर पुलिस प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती, तो बहुत जल्द सिवनी की सड़कों पर सिवनी कांग्रेस कमेटी, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के द्वारा फिर इंकलाब की गूंज सुनाई देगी।

गंगा दशहरा पर जलस्त्रोतों का पूजन कर निकाली कलश यात्रा

बरघाट नवभारत। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन की चयनित नवांकुर संस्था मां शक्ति संस्थान पखारा सेक्टर क्रमांक-4 एवं ग्राम विकास प्रस्तुत समिति पखारा, विजयपानीकला, कोसमी, सरेखाकला, के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर जल स्त्रोतों का पूजन एवं गंगा कलश यात्रा 25 मई मंगलवार समय 9:00 बजे से प्रारंभ किया गया है। जिला समन्वयक जी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद शिवनी के मार्गदर्शन में एवं ब्लॉक समन्वयक के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य जन सहभागिता से जल संरक्षण और संरक्षण कार्यो का क्रियान्वयन करना है। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं जीवनोद्धार कर जल संरक्षण जल संवर्धन के लिए ग्राम की कम नदी में पूजा अर्चना कर सभी के द्वारा श्रमदान कर सभी को शपथ दिलाई गई है। ग्राम के मंदिर में जल चढ़ाया गया है। महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकली गई है। सभी के द्वारा नर लगवाया गया है कि जल ही जीवन है, जल है तो कल है, पानी कौन बचाएगा हम बचाएंगे हम बचाएंगे, वृक्ष कौन लगाएगा हम लगाएंगे हम लगाएंगे, और सभी को जन सहभागिता के साथ सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया है जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच , सचिव, रोजगार सहायक, कर्मचारी, ग्राम के पुरुष महिलाएं, ग्राम विकास प्रेस फुटन समिति के अध्यक्ष, सचिव, एवं सदस्य, छात्र छात्राएं एवं नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक तथा सदस्य लोगोकी सहभागिता रही।

खुर्सीपार वेयरहाउस में लगी आग, बड़ी दुर्घटना टली

छपारा। छपारा नगर के समीप ग्राम खुर्सीपार स्थित बैनगंगा विपणन सहकारी समिति के वेयरहाउस में बुधवार 28 मई को दोपहर करीब डेढ़ बजे अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वेयरहाउस के पास रहने वाले कुछ युवकों ने समय रहते धुआं और आग की लपटें देखीं तथा तत्काल सहकारी समिति के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही छपारा थाना पुलिस एवं नगर परिषद छपारा की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। फायर वाहन चालक रविंद्र पटेल और फायरफाइटर्स ने तत्परता दिखाते हुए करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में लगभग एक दर्जन से अधिक बारदाने के बंडल जलकर खाक हो गए। घटना की सूचना पर छपारा थाना का 112 वाहन भी मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। भीषण गर्मी के बीच, जहां तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, स्थानीय लोगों की सतर्कता और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल पुलिस एवं संबंधित विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं।